AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# लविवि में दिखेगा सौ साल का गौरव

## नैक पियर टीम के भ्रमण के मद्देनजर चल रही विशेष तैयारी

अक्षय कुमार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर चुका है। इस दौरान यह तीसरी बार राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक) में जा रहा है और नैक टीम के 21 से 23 जुलाई तक स्थलीय भ्रमण की तैयारी आखिरी चरण में है। स्थलीय भ्रमण के दौरान बाहर से आ रहे विशेषज्ञों को कई विभागों में विश्वविद्यालय के सौ साल का गौरवशाली इतिहास दिखाने की भी विशेष तैयारी रही है।

**अब तक के हेड और शिक्षकों की फोटो संग दे रहे जानकारी**

विश्वविद्यालय के कई पूर्व छात्रों ने न्यायमूर्ति से लेकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व राज्यपाल ही नहीं बल्कि कला-संगीत से लेकर खेल जगत में अपनी छाप छोड़ी है। इसको समेटते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में विशेष वॉल ऑफ फेम तैयार की गई है। इसमें यहां से पास आउट पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, मंगलयान अभियान की डिप्टी डायरेक्टर रही रितु करिधाल, योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार, पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुरजीत सिंह बरनाला, पूर्व सीजेआई अल्तमश कबीर, पद्मश्री मालिनी अवस्थी, क्रिकेटर सुरेश रैना व आरपी सिंह, ओलंपियन सुजीत कुमार आदि के फोटो फ्रेम लगाए गए हैं। भौतिक विज्ञान विभाग में 1920 से लेकर अब तक के हेड की उनके परिचय के साथ फोटो फ्रेम लगाया गया है। इसके साथ ही विभाग में अब तक के प्रमुख शोध व प्रोजेक्ट को भी नोटिस बोर्ड पर लगाया गया है। इतना ही नहीं वॉल ऑफ फेम में भौतिक विज्ञान विभाग समेत कई विभागों ने अपने-अपने क्षेत्र के नामचीन लोगों को जगह दी है। इसी तरह केमिस्ट्री विभाग में 1920 से लेकर अब तक के हेड्स के साथ-साथ शिक्षकों की भी जानकारी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

भौतिक विज्ञान के विभागाध्यक्षों का फोटो फ्रेम।

### श्रीलंका के छात्र की होगी विशेष प्रस्तुति

विवि में नैक विशेषज्ञों की टीम के सामने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी विशेष तैयारी चल रही है। टीम के सामने विश्वविद्यालय में पढ़ रहे श्रीलंका के छात्र का डांस की प्रस्तुति होगी जो राम लीला पर आधारित होगी। वहीं लखनऊ के खास किस्सागोई भी यहां के ही छात्र प्रस्तुत करेंगे, जो प्रेमचंद की शतरंज के खिलाड़ी में उल्लेखित लखनऊ पर आधारित होगा। वहीं विश्वविद्यालय के पहले महिला बैंड रुहानी की भी प्रस्तुति होगी।

**कई शिक्षक भी बने यहां के कुलपति :** विवि के दर्शनशास्त्र विभाग भी स्थापना के समय का विभाग है। यहां से न सिर्फ कई नामी दर्शनशास्त्री निकले हैं, बल्कि अपने विश्वविद्यालय को इसने कई कुलपति भी दिए हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि यहां के तीन शिक्षक-विभागाध्यक्ष रहे प्रो. कैलाश नाथ, प्रो. काली प्रसाद, प्रो. रूपरेखा वर्मा लविवि के कुलपति भी बने।

### बाहरियों का प्रवेश प्रतिबंधित

लखनऊ। लविवि में 21 से 23 जुलाई तक नैक टीम के भ्रमण को देखते हुए विवि में उक्त दिनों बाहरियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। छात्रों से कहा गया है कि वे परिचय पत्र व शुल्क रसीद लेकर आएं। चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा है कि उक्त तिथियों को छात्र किसी भी बाहरी को कैंपस में नहीं बुलाएंगे। परिसर में किसी तरह का विरोध-प्रदर्शन, धरना आदि प्रतिबंधित रहेगा। वहीं शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को जारी पास स्वीकार होंगे। चीफ प्रॉक्टर ने बताया कि 19 जुलाई से ही मुख्य कैंपस स्थित गेट नंबर एक से दो पहिया वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। ये वाहन परीक्षा विभाग के नीचे बने नए वाहन स्टैंड पर खड़े होंगे। वहीं, चार पहिया वाहन स्टेट बैंक और प्रशासनिक भवन के सामने स्थित पार्किंग में खड़े होंगे। 21 से 23 तक नैक टीम के अलावा किसी के वाहन कैंपस में प्रवेश नहीं पाएंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

### नेशनल पीजी में मॉक ड्रिल

लखनऊ। नेशनल पीजी कॉलेज में नैक टीम के 21 व 22 जुलाई को प्रस्तावित स्थलीय भ्रमण से पहले सोमवार को मॉक ड्रिल हुई। इसमें विशेषज्ञों की टीम ने कॉलेज के सभी उपलब्धियों और पूर्व छात्रों को विशेष रूप से प्रदर्शित करने का सुझाव दिया है। लविवि के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. यूसी वशिष्ठ, प्रो. ध्रुवसेन सिंह व बीबीएयू की प्रो. प्रीति सक्सेना की टीम ने सबसे पहले प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह का प्रजेंटेशन देखा। इसमें टीम ने कई सुझाव दिए और प्रजेंटेशन को आकर्षक बनाने को कहा। इस क्रम में उन्होंने कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय का भ्रमण किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

### सोलर टेलीस्कोप से देखे सूर्य की सतह के स्पॉट

लखनऊ। सूर्य की सतह पर बने धब्बों को वास्तव में सोलर टेलीस्कोप के जरिये देखा जा सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय में खगोलशास्त्र विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद की टीम के सहयोग से सोमवार को छात्रों को सोलर टेलीस्कोप के माध्यम से इसे दिखाया गया। साथ ही यह जानकारी दी गई कि इस समय सूर्य की सतह पर लगभग 12 सनस्पॉट देखे जा सकते हैं।

लविवि की डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि यहां से लगभग 15 करोड़ किमी की दूरी पर स्थित सूर्य की कई परतें हैं। इसमें सबसे ऊपरी परत को फोटोस्फियर कहा जाता है। उसका तापमान लगभग 5500 डिग्री सेल्सियस है। इसी फोटोस्फियर पर काले धब्बे के रूप में हमें ये सोलर स्पॉट दिखाई देते हैं, जिनका व्यास लगभग 37 हजार किमी है और गहराई लगभग 400 किमी है। उन्होंने बताया कि सोलर स्पॉट की संख्या हर 11 साल में चरम पर होती है। इनके अध्ययन से हमें सूर्य के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिलती हैं।

इस अवसर पर गणित व खगोलशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, परिषद के सुमित श्रीवास्तव आदि मौजूद थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

## दुर्लभ कलाकृतियों के संग्रह का उद्घाटन

लखनऊ। लविवि के टैगोर पुस्तकालय में सोमवार को दुर्लभ कलाकृति अनुभाग का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इसमें प्राचीन काल की दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियों का संग्रह किया गया है। इस संग्रह में 11वीं शताब्दी की पाली भाषा में लिखी गई महाभारत, संस्कृत भाषा में लिखी वराहा पुराण, मोहनजोदाड़ो की खुदाई में निकली हुई मोहरें, शाहनामा फिरदौसी, सितार नवाजी, अवध के नवाब मोहम्मद अली शाह के जमाने की लिखी हुई कुरान शरीफ, पर्शियन उर्दू एवं संस्कृत भाषा में लिखे गए आयुर्वेद के ग्रंथ तथा पांडुलिपियां समाहित हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

# लखनऊ विश्वविद्यालय में आज से वाहनों पर प्रतिबंध

लखनऊ। नैक टीम की अगवानी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कुलपति एक-एक विभाग, हॉस्टल, कार्यालय की तैयारियों पर नजर बनाए हैं। खुद हर विश्वविद्यालय का कोना-कोना देख रहे हैं। नैक टीम को लेकर मंगलवार से विश्वविद्यालय में बाहरियों के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नैक टीम जब तक विश्वविद्यालय में रहेगी तब तक संकायाध्यक्षों के ही वाहनों को परिसर में प्रवेश दिया जाएगा। नैक टीम के रहने तक विश्वविद्यालय में जिला प्रशासन द्वारा धारा 144 लागू रहेगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर जरूरी निर्देश दिए। सभी से कहा कि वे तैयारी पूरी रखें।

**इन नियमों का पालन**
- परिसर में मंगलवार से वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। यह नैक टीम के यहां रहने तक रहेगी।
- शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी या अन्य वाहन भाउराव देवरस गेट के बगल में पार्किंग में खड़े होंगे।
- परिसर में दाखिल होने के पास इन तीन दिनों तक अमान्य होंगे।

# टेलीस्कोप से दिखे सूरज में धब्बे

लखनऊ। हर विद्यार्थी दूरबीन में आंख सटाकर कुछ देखना चाहता था। सभी हैरत में थे कि चंद्रमा पर लगे धब्बे तो जमीन से ही दिखाई देते हैं पर सूरज पर पहली बार देखे। सोमवार को एलयू के खगोलशास्त्र विभाग ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद की मदद से सोलर टेलिस्कोप के जरिए सूर्य की सतह पर सोलर स्पॉट का नजारा दिखलाया।

एलयू में टैगोर पुस्तकालय में सोमवार को दुर्लभ कलाकृति अनुभाग शुरू हुआ।

## मोहनजोदाड़ो की खुदाई में दुर्लभ संग्रह देख सकेंगे

लखनऊ। टैगोर पुस्तकालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय में दुर्लभ कलाकृति अनुभाग का उद्घाटन किया। इस अनुभाग में प्राचीन काल की दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियों का एक दुर्लभ संग्रह एकत्रित है। संग्रह में 11वीं शताब्दी की पाली भाषा में लिखी गई महाभारत, संस्कृत भाषा में लिखा वराहा पुराण समेत कई दुर्लभ सामान हैं।

PIONEER PAGE 3

## बाहरी वाहनों का लखनऊ विवि में प्रवेश प्रतिबंध

... विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार से वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। यह नैक टीम के यहां रहने तक रहेगी। शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी या अन्य वाहन भाउराव देवरस गेट के ...

... विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के सहायक प्रो डा रजनीश कुमार यादव को एनसीसी की 64वीं बटालियन की देखरेख का जिम्मा सौंपा है। डा रजनीश एनसीसी के सी प्रमाणपत्र धारक हैं।

## फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल 22 से

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी के एमएससी सेमेस्टर-2 में फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल 22 और 23 जुलाई को होंगे. ऑर्गेनिक केमिस्ट्री और इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक होंगे.

## प्रो. बंशीधर बने विधि संकाय के डीन

LUCKNOW : वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रो. बंशीधर सिंह को लखनऊ यूनिवर्सिटी के विधि विभाग का संकायाध्यक्ष एंव विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है. इस पद पर वह तीन वर्ष तक रहेंगे.

i-NEXT PAGE 4

# लखनऊ यूनिवर्सिटी में आज से वाहनों पर बैन

**नैक टीम एलयू में 21 से 23 जुलाई तक रहेगी**

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 July): नैक टीम की अगवानी के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी ने तैयारियां पूरी कर ली हैं. वीसी एक-एक विभाग, हॉस्टल, कार्यालय की तैयारियों पर नजर बनाए हैं. खुद यूनिवर्सिटी का कोना-कोना देख रहे हैं. नैक टीम को लेकर मंगलवार से यूनिवर्सिटी में बाहरियों के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. नैक टीम जब तक यूनिवर्सिटी में रहेगी तब तक संकायध्यक्षों के ही वाहनों को परिसर में प्रवेश दिया जाएगा. नैक टीम के रहने तक यूनिवर्सिटी में जिला प्रशासन द्वारा धारा 144 लागू रहेगी. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर जरूरी निर्देश दिए. सभी से कहा गया है कि वे तैयारी पूरी रखें. जिन विभागों को सुधार के निर्देश दिए थे उन सभी ने निर्देशों का पालन कर लिया है.

**परिसर में होगा इन नियमों का पालन**
- यूनिवर्सिटी परिसर में मंगलवार से वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है. यह नैक टीम के यहां रहने तक रहेगी.
- शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी या अन्य वाहन भाउराव देवरस गेट के बगल में बनी पार्किंग में खड़े करेंगे.
- विभिन्न संकायों के डीन के वाहन परिसर में दाखिल हो सकेंगे.1
- निरीक्षण के दौरान नैक टीम के अलावा किसी का वाहन परिसर में नहीं जा सकेगा.
- परिसर में दाखिल होने के पास इन तीन दिनों तक अमान्य होंगे.
- यूनिवर्सिटी में धारा 144 लागू रहेगी.
- स्टूडेंट्स को अपना परिचय पत्र एवं फीस की रसीद साथ में रखनी होगी.
- स्टूडेंट्स अपने साथ किसी को परिसर में नहीं ला सकेंगे.
- स्टूडेंट्स अपने विभाग की कक्षा या पुस्तकालय में रहेंगे.

JAGRAN CITY PAGE II

# लवि में बाहरी व्यक्तियों के आने पर रोक

## 21 से 23 तक नैक मूल्यांकन के लिए टीम के आगमन को लेकर जारी किए गए निर्देश

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 21 से 23 जुलाई तक नैक मूल्यांकन के लिए टीम आएगी। ऐसे में विश्वविद्यालय के चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी विद्यार्थी परिचय पत्र या शुल्क रसीद लेकर परिसर में आएं। अधिकारी के मांगने पर उसे तुरंत दिखाना होगा। किसी विद्यार्थी को बाहरी व्यक्ति को मुख्य परिसर, छात्रावास, लाइब्रेरी या प्रशासनिक भवन में बुलाने की अनुमति नहीं होगी।

सभी छात्र-छात्राओं को अपने विभाग या लाइब्रेरी में रहने के निर्देश दिए गए हैं। विश्वविद्यालय में धारा 144 लागू है। इसलिए शांति व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थी समूह में नहीं घूमेंगे। परिसर में किसी भी प्रकार का विरोध प्रदर्शन, धरना या जुलूस प्रतिबंधित है।

**वाहन प्रतिबंधित, पैदल जाएं परिसर में :** मंगलवार से लवि के मुख्य परिसर में वाहन लाने के लिए नई व्यवस्था लागू होगी। भाऊराव देवरस द्वार से दो पहिया वाहनों के साथ प्रवेश करने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों आदि को अपना वाहन यूको बैंक के पास बने नए वाहन स्टैंड पर खड़ा करके पैदल जाना होगा। चार पहिया वाले भी अपना वाहन स्टैंड पर खड़ा करेंगे। नैक टीम के सदस्यों में शामिल शिक्षकों व कर्मचारियों एवं संकाय के डीन को ही वाहन के साथ परिसर में प्रवेश दिया जाएगा।

## छात्र-छात्राएं देख सकेंगे दुर्लभ कलाकृतियां

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में बने दुर्लभ कलाकृति अनुभाग के नवीनीकरण के बाद सोमवार को इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इस अनुभाग में प्राचीन काल की दुर्लभ एवं ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियों का संग्रह है।

इसमें 11वीं शताब्दी की पाली भाषा में लिखी गई महाभारत, संस्कृत में वराहा पुराण, मोहनजोदाड़ो की खुदाई में निकली हुई मोहरें, शाहनामा फिरदौसी, सितार नवाजी उपलब्ध है। इसके अलावा अवध के नवाब मोहम्मद अली शाह के जमाने का लिखा हुआ कुरान शरीफ, पर्शियन उर्दू एवं संस्कृत में आयुर्वेद के ग्रंथ तथा पांडुलिपियां समाहित हैं। विद्यार्थी इसे देख सकेंगे। उद्घाटन के समय टैगोर पुस्तकालय के अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर डीके सिंह, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. ज्योति मिश्रा, डा. प्रवीश प्रकाश, प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव, डा. अनुपमा श्रीवास्तव मौजूद रहीं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने सोमवार को टैगोर पुस्तकालय में दुर्लभ कलाकृति अनुभाग का उद्घाटन किया। उन्होंने कलाकृतियां भी देखीं • सौ. लवि

**एंथ्रोपोलाजी विभाग में मानव विकास का माडल :** यहां कापर से तैयार मानव विकास का माडल दीवार पर लगाया गया है। इसके अलावा उत्तराखंड से 1951 में प्रो. डीएन मजूमदार की ओर से शोध के लिए रूप कुंड से लाई गई अस्थियों को भी प्रदर्शित करने की तैयारी है। भूगोल विभाग ने अपने यहां पिरामिड का माडल बनाकर प्रकृति के पारिस्थितिकी स्तर को दिखाया है।

**प्रशासनिक भवन के कारिडोर में बनी पेटेंट वाल :** लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में नैक मूल्यांकन के समय टीम को उपलब्धियां दिखाने के लिए वाल पेटेंट वाल तैयार की गई है। प्रशासनिक भवन के कारिडोर में तैयार इस वाल पर 2016 से लेकर 2021 तक के 25 बेस्ट पेटेंट का डिस्प्ले किया गया है। लवि में नैक की तैयारियां पूरी होने वाली हैं। विभागों ने प्रेजेंटेशन, उपलब्धियां सहित काफी कुछ नैक टीम के सामने डिस्प्ले के लिए तैयार किया है। जूलाजी विभाग की प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि 2016 से 2021 तक में लखनऊ विश्वविद्यालय के 25 पेटेंट हुए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 18 पेटेंट साफ्टवेयर की मदद से अलग-अलग कैंसर सेल को रोकने व उन्हें खत्म करने पर आधारित हैं। पेटेंट वाल में शिक्षकों का नाम, विभाग सहित पूरा विवरण है। एथिक्स, रिसोर्स पालिसी, संसाधन मेनटेन, इंफार्मेशन टेक्नोलाजी, एनवायरमेंट सहित विश्वविद्यालय की 11 पालिसी के बारे में भी डिस्प्ले किया गया है।

## प्रो. बंशीधर सिंह होंगे विधि संकाय के नए डीन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित विधि संकाय के नए डीन प्रो. बंशीधर सिंह होंगे। उनका कार्यकाल 19 जुलाई से शुरू होकर तीन साल की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक होगा। विधि विभागाध्यक्ष की भी जिम्मेदारी इन्ही को दी गई है। अभी तक प्रो. सिंह के पास दोनों पद थे। (जासं)

## डा. रजनीश बने केयरटेकर

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. रजनीश कुमार यादव को लखनऊ विश्वविद्यालय की 64वीं एनसीसी बटालियन का केयर टेकर बनाया गया है। वह आरडी कैंप में प्रतिभाग कर चुके हैं। इस संबंध में कुलसचिव डा. विनोद सिंह ने 64 यूपी बटालियन एनसीसी के एडमिन आफीसर को पत्र भेज दिया। (जासं)

# पहली बार प्रदेश स्तर पर लवि बनाएगा सारस का एटलस

अखिल सक्सेना • लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) का वन्य जीव विज्ञान संस्थान जल्द ही वन विभाग के सहयोग से सारस की सही संख्या का पता लगाने के लिए जीआइएस (जियोग्राफिकल इंफार्मेशन सिस्टम) मैपिंग की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसके लिए संस्थान ने बीते तीन बार की सारस गणना के आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर ली है। जीआइएस मैपिंग की मदद से उत्तर प्रदेश स्तर पर सारस का एक एटलस (मानचित्र) तैयार किया जाएगा। इसे जीआइएस से जोड़ा जाएगा, ताकि साफ्टवेयर की मदद से किसी भी जिले में सारस की लोकेशन देखी जा सके।

सारस उत्तर प्रदेश का राज्य पक्षी (स्टेट बर्ड) है। यूपी में इसकी चार प्रजातियां सायबेरियन क्रेन, डेमोसेल्ले क्रेन, यूरेशियन क्रेन/ कामन क्रेन और सारस क्रेन पाई जाती हैं। प्रदेश के कई जिलों में इनकी संख्या अधिक तो कुछ जगह बहुत ही कम है। दिसंबर 2018 में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान संस्थान की कोआर्डिनेटर एवं प्रधान अन्वेषक प्रो. अमिता कनौजिया को सारस की गणना के लिए एक प्रोजेक्ट दिया था।

**तीन बार हुई सारस की गणना :** वन्य जीव विज्ञान संस्थान के जूनियर रिसर्च फेलो अनुज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वन विभाग के सहयोग से जीपीएस मैपिंग के जरिए तीन बार सारस की गणना की गई। पहली गणना दो सितंबर 2020 को पूरे प्रदेश के सभी जिलों में कराई गई, जिसमें 54 जिलों में 14,000 सारस मिले। 20 जनवरी 2021 को हुई दूसरी गणना में 41 जिलों में 11,985 सारस और 27 सितंबर 2021 को तीसरी गणना में 21 जिलों में 7,237 सारस मिले। यह सभी कृषि भूमि, नदी, तालाब आदि के किनारे पाए गए।

लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान संस्थान और वन विभाग की ओर से कराई गई गणना के दौरान शाहजहांपुर के खेतों में नजर आए सारस व लवि के वन्य जीव विज्ञान संस्थान के जूनियर रिसर्च फेलो अनुज कुमार त्रिपाठी सारस की गणना के दौरान शाहजहांपुर में ग्रामीणों से जानकारी लेते हुए • सौजन्य लवि(फाइल फोटो)

**जीपीएस मैपिंग से हुई गणना, मैनपुरी में सर्वाधिक सारस**

जीपीएस मैपिंग से हुई गणना में सर्वाधिक 2500 सारस मैनपुरी में हैं। इटावा में 1600, शाहजहांपुर 1500, एटा 1100, रायबरेली, उन्नाव में करीब 450, कन्नौज 600, हरदोई 550, लखनऊ में करीब 20 की संख्या जीपीएस मैपिंग में आई है। अनुज बताते हैं कि जीपीएस (अक्षांश, देशांतर) के जरिए सारस को जो डेटा तैयार किया गया है, उसे जियोग्राफिकल इंफार्मेशन सिस्टम साफ्टवेयर पर डाला जाएगा, जिससे पता चलेगा कि सारस का डेटा, लोकेशन सही है या नहीं। उसके बाद सारस एटलस आफ उप्र तैयार किया जाएगा। इसमें हर जिले का भी एक मानचित्र बनेगा ताकि सारस की संख्या, लोकेशन की सही जानकारी हो सके।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

# कुलपति ने किया दुर्लभ कलाकृति अनुभाग का उद्घाटन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में सोमवार को दुर्लभ कलाकृति अनुभाग का उद्घाटन लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इस अनुभाग में प्राचीन काल की दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियों का एक दुर्लभ संग्रह एकत्रित है। इस संग्रह में 11वीं शताव्दी की पाली भाषा में लिखी गई महाभारत, संस्कृत भाषा में लिखी गई वराहा पुराण, मोहनजोदाड़ो की खुदाई में निकली हुई मोहरें, शाहनामा फिरदोसी, सितार नवाजी, अवध के नवाव मोहम्मद अली शाह के जमाने का लिखा हुआ कुरान शरीफ, पर्शियन उर्दू एवं संस्कृत भाषा में लिखे हुए आयुर्वेद के ग्रंथ तथा पांडुलिपिया समाहित हैं। इस अवसर पर टैगोर पुस्तकालय के अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. डी.के. सिंह, डा. ज्योति मिश्रा, डा. प्रवीश प्रकाश,प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

## नैक टीम के निरीक्षण के दौरान लविवि में लागू रहेगी धारा 144

लखनऊ। नैक टीम की अगवानी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। लविवि के कुलपति एकएक विभाग, हॉस्टल, कार्यालय आदि की तैयारियों पर नजर वनाए है। वह स्वयं विश्वविद्यालय का कोनाऱ्कोना देख रहे है। नैक टीम को लेकर मंगलवार से विश्वविद्यालय में वाहरी व्यक्तियों के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिवंध लगा दिया गया है। नैक टीम जव तक विश्वविद्यालय में रहेगी तव तक संकायध्यक्षों के ही वाहनों को परिसर में प्रवेश दिया जाएगा। नैक टीम के रहने तक विश्वविद्यालय में जिला प्रशासन द्वारा धारा 144 लागू रहेगी। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्षों के साथ वैठक कर जरूरी निर्देश दिए। सभी से कहा कि वे तैयारी पूरी रखें, जिन विभागों को सुधार के निर्देश दिए गए थे उन सभी ने निर्देशों का पालन कर लिया है।

PIONEER PAGE 4

# सूरज में लगे धब्बों को देख अभिभूत हुए लविवि के छात्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूरज में लगे धब्बा... धरती के करिश्में हैं... हंगामा है क्यों बरपा... अकबर इलाहाबादी की यह गजल गुलाम अली की आवाज में हम सबने शायद खूब सुनी और गुनगुनाई भी होगी । पर कभी यह सोचा है कि यह फितरत का नहीं कुदरत का एक अनोखा करिश्मा है जिसमे सूरज की सतह पर बने धब्बों को वास्तव मे सोलर टेलिस्कोप के जरिए देखा जा सकता है। सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में खगोलशास्त्र की विशेषज्ञा डॉ अलका मिश्रा ने उत्तर प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् के सुमित श्रीवास्तव एवं उनकी टीम के सहयोग से सोलर टेलिस्कोप द्वारा छात्र छात्राओं को सूर्य की सतह पर सोलर स्पॉट्स का नजारा दिखलाया।

डॉ अलका मिश्रा ने बताया कि इस समय सूर्य की सतह पर लगभग 12 सनस्पॉट देखे जा सकते हैं । दरअसल हमसे लगभग 15 करोड़ किमी की दूरी पर स्थित सूरज की कई परते हैं जिसमे सबसे सबसे ऊपरी परत जिसे फोटोस्फियर कहा जाता है और उसका तापमान लगभग 5500 डिग्री सेल्सियस है। इसी फोटोस्फियर पर काले धब्बों के रूप में हमें यह सोलर स्पॉट दिखाई देते हैं जिनका व्यास लगभग 37000 किमी है और गहराई लगभग 400 किमी है। सोलर स्पॉट की संख्या हर 11.1 साल में चरम पर होती है और यह सौर्य विकिरण पर चुम्बकीय क्षेत्र के प्रभाव को दर्शाते हैं। इनके अध्ययन से हमें सूर्य के बारे में अनेक मत्वपूर्ण जानकारिया मिलती हैं। सहज रूप से कोई यह मान सकता है कि ऑप्टिकल डार्क सोलर स्पॉट की संख्या बढ़ने पर कुल सौर विकिरण कम हो जाएगा। हालांकि विकिरण के प्रत्यक्ष उपग्रह प्रेक्षणों ने मामला इसके ठीक विपरीत दिखाया है। इसका मतलब है कि अधिक सोलर स्पॉट वातावरण में अधिक ऊर्जा पहुंचाते हैं, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होनी चाहिए।

भौतिकी विभाग के प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल ने बताया कि अभी तक की खोजों के अनुसार, सूर्य की सतह के पास संवहनी प्लाज्मा में चुंबकीय गड़बड़ी के कारण सोलर स्पॉट जोड़े में होते हैं। चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं एक सनस्पॉट से निकलती हैं और दूसरे स्थान पर पुन: प्रवेश करती हैं। इसके अलावा, बढ़ी हुई चुंबकीय गतिविधि की अवधि के दौरान अधिक सोलर स्पॉट होते हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

# विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं ने देखा सूर्य की तरह सोलर स्पॉट

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ।

**सोलर स्पॉट की संख्या बढ़ने पर कम हो जाएगा सौर विकिरण**

... टेलिस्कोप द्वारा छात्र-छात्राओं को सूर्य की सतह पर सोलर स्पॉट्स का नजारा दिखाया। जोकि काफी अनोखा था। खगोलशास्त्र की विशेष डॉ अलका मिश्रा ने बताया कि इस समय सूर्य की सतह पर लगभग 12 सनस्पॉट देखे जा सकते हैं । दरअसल लगभग 15 करोड़ किमी की दूरी पर स्थित सूरज की कई परते हैं जिसमें सबसे ऊपरी परत जिसे फोटोस्फियर कहा जाता है और उसका तापमान लगभग 5500 डिग्री सेल्सियस है इसी फोटोस्फियर पर काले धब्बों के रूप में हमें यह सोलर स्पॉट दिखाई देते हैं जिनका व्यास लगभग 37, 000 किमी है और गहराई लगभग 400 किमी ... विकिरण पर चुम्बकीय क्षेत्र के प्रभाव को दर्शाते हैं । इनके अध्ययन से हमें सूर्य के बारे में अनेक मत्वपूर्ण जानकारियां मिलती हैं। सहज रूप से कोई यह माना जा सकता है कि (ऑप्टिकल डार्क) सोलर स्पॉट की संख्या बढ़ने पर कुल सौर विकिरण कम हो जाएगा। हालांकि विकिरण के प्रत्यक्ष उपग्रह प्रेक्षणों ने मामला इसके ठीक विपरीत दिखाया है। इसका मतलब है कि अधिक सोलर स्पॉट वातावरण में अधिक ऊर्जा पहुंचाते हैं, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होनी चाहिए। इस अवसर पर भौतिकी विभाग के प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल ने बताया कि ... चुंबकीय गड़बड़ी के कारण सोलर स्पॉट जोड़े में होते हैं। चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं एक सनस्पॉट से निकलती हैं और दूसरे स्थान पर पुनः प्रवेश करती हैं। इसके अलावा, बढ़ी हुई चुंबकीय गतिविधि की अवधि के दौरान अधिक सोलर स्पॉट होते हैं। उस समय सौर सतह से अधिक आवेशित कण उत्सर्जित होते हैं, और सूर्य अधिक यूवी और दृश्य विकिरण उत्सर्जित करता है।

अनुमान है कि सूर्य की सामान्य विकिरण ऊर्जा और एक सोलर स्पॉट चक्र के चरम पर विकिरित ऊर्जा के बीच लगभग 0.2 प्रतिशत तक भिन्नता होती है।

AMRIT VICHAR PAGE 5

# आज से लविवि में नहीं प्रवेश कर सकेंगे वाहन

अमृत विचार लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार से वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा। ये निर्णय नैक मूल्यांकन के चलते लिया गया है। विश्वविद्यालय में 21 से 23 जुलाई तक नैक टीम रुकेगी, लिहाजा वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दिया गया है। विश्वविद्यालय ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कुलपति एक-एक विभाग, हॉस्टल, कार्यालय की तैयारियों पर नजर बनाए हैं। खुद हर विश्वविद्यालय का कोना-कोना देख रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि नैक टीम जब तक विश्वविद्यालय में रहेगी तब तक संकायध्यक्षों के ही वाहनों को परिसर में प्रवेश दिया जाएगा।

# लविवि में देख सकेंगे मोहनजोदड़ो की खुदाई में निकलीं मोहरें

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक राय ने दुर्लभ कलाकृति अनुभाग का उद्घाटन किया। इस अनुभाग में प्राचीन काल की दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियों का एक दुर्लभ संग्रह एकत्रित है। संग्रह में 11वीं शताब्दी की पाली भाषा में लिखी गई महाभारत, संस्कृत भाषा में लिखा वराहा पुराण, मोहनजोदड़ो की खुदाई में निकली हुई मोहरें, शाहनामा फिरदोसी, सितार नवाजी, अवध के नवाब मोहम्मद अली शाह के जमाने का लिखा हुआ कुरान शरीफ, पर्शियन उर्दू एवं संस्कृत भाषा में लिखे हुए आयुर्वेद के ग्रंथ तथा पांडुलिपिया समाहित हैं।

## फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल 22 से

अमृत विचार, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एमएससी सेमेस्टर-2 में फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल 22 और 23 जुलाई को होंगे। आर्गेनिक केमिस्ट्री और इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक होंगे।

## प्रो. बंशीधर बने विधि संकाय के डीन

अमृत विचार, लखनऊ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रो. बंशीधर सिंह को लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग का संकायाध्यक्ष एंव विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस पद पर वह तीन वर्ष तक रहेंगे।

HINDUSTAN TIMES PAGE 2

{ NAAC TEAM'S VISIT }

# LU bans student protests on campus

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The Lucknow University (LU) administration has banned all protests, dharna and processions on the campus.

LU officials said the move has been initiated due to the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) team's likely visit to the main LU campus from July 21 to 23. Proctor Rakesh Dwivedi has issued a circular stating that since district administration has imposed section 144, no gathering on the campus would be permitted.

"Students will not roam in groups and no one will be allowed to carry firearms. No student will be allowed to invite any outsider on the campus and students should stay in their respective department/study room or library," reads an order issued by the proctor.

From Tuesday, all the teachers, officers, employees and other visitors who come to campus on two wheelers from Bhaorao Deoras gate located on the main LU campus, will enter with their two wheelers from the newly constructed gate near UCO Bank and park their vehicles at the newly constructed parking area near examination department. Those coming on four wheelers will park their vehicles near the State Bank.

"As the inspection by NAAC team will be done on July 21 to 23 on the LU campus, only vehicles of those teachers and employees who are deployed to be present with NAAC team members (teachers and employees) and dean of various faculties will be allowed entry on campus," officials said.

"From July 21 to 23, entry of all other person other than NAAC team will be restricted from Bhaurao Deoras gate after 8.30 am," the proctor said.

Vehicle passes, for academic session 2022-2023, issued by registrar office for teachers, officers, employees, will remain suspended during this period, he added.

"All students should come to the campus with their identity card or acknowledgment of their fee receipt and produce it on demand by LU authorities," he said.

# LU, NGPC spruce up to impress NAAC teams

## Students & Staff Working Overtime

Times News Network

Lucknow: With over 100-year-old fountain sprinkling water like a new one, walls decorated with colourful caricatures made by fine arts students and all the scrap organized in newly-made sheet house — the Lucknow University campus looks flawless ahead of the visit of delegation of National Assessment and Accreditation Council (NAAC) scheduled on July 21, 22 and 23.

The campus has been spruced up with the joint efforts of students, teachers and non-teaching staff.

With only two days left for the visit, last-minute touchups were given on Monday.

At LU, teachers worked even on Sunday and are staying back on campus for over 14 hours to complete the preparations.

"Trying hard to get a good grade, every LU member was on campus to ensure that everything was in place. Even the scrap that came out during the cleanliness drive of the campus has been well organized in the make-shift sheet room," said a faculty member.

The girls' common room is decked up with beautiful paintings of angels, butterflies and other caricatures made by students.

"Everything, be it the department, libraries or laboratories, they all have been made attractive. The wall of fame has also come up," said an official.

"We are NAAC ready and hoping for the best," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Meanwhile, similar scenes were witnessed at National PG College, where the NAAC team is scheduled to visit on July 21-22.

NPGC principal Devendra Kumar Singh said, "We have been appreciated during the mock drill and are good at all the seven parameters. We already have a NAAC 'A' grade that recently expired. We are now hoping for A+ in re-evaluation."

V Sunil

SPIC AND SPAN LU campus has all been spruced up for the NAAC team visit

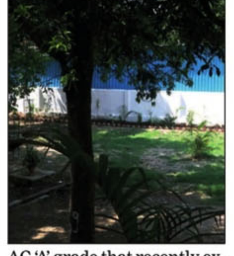

# LU student wins moot court contest

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's law faculty students won the KK Srivastava inter-collegiate moot court competition held on Sunday.

In the semi-finals, four best performing teams were judged by high court advocates. Out of the four teams, participating in 2 courtrooms, the best two teams were selected for the final round. The chief guest was Justice DK Singh and Justice Shamim Ahmed and Justice Rajiv Singh were present as special guests. They judged the students in the final round.

"Moot court competition gives birth to future advocates and lawmakers. Both the teams participating in the final round performed well and defeat or victory does not matter," said Justice DK Singh He said that the moot court competition provides an opportunity for students to become good lawmaker in the future. LU students Chitra Singh, Shrestha, Sukriti Choudhary, Shivansh Srivastava and Piyush Upadhyay bagged the best memorial award and Shia PG College student Iffat Khan was declared the best speaker.

TOI PAGE 3

# LU social work dept first to conduct PhD, DLitt in country

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: Lucknow University's social work department, celebrating its golden jubilee year, holds the distinction of being the first in India to conduct PhD and DLitt and has produced stalwarts like Radha Kamal Mukerjee, a leading thinker and social scientist of modern India.

The department will present its glorious past and present in front of the National Assessment Accreditation Council (NAAC) team visiting the campus for re-evaluation from July 21 July 23.

The department has prepared a detailed presentation for the NAAC team that will unfold that the department has awarded 437 PhDs, one of the highest in the country, along with other achievements.

**GOLDEN JUBILEE CELEBRATIONS**

The department will also revise its curriculum as per needs of the industry.

Lucknow University Vice-Chancellor Prof AK Rai said, "As there has been a tremendous change in the dynamics of the social and corporate life of the country it is an opportune time to leverage the innovation in the curriculum."

He said the university is shortly going to have a good number of faculty additions in the social work department.

Head of the department Prof Anoop Kumar Bhartiya said, "Juggilal Kamlapat industries gave financial support to LU to establish JK Institute of Sociology and Human Relations in 1948 under the leadership of doyen of social sciences in India Prof Radha Kamal Mukerjee."

Senior most professor and a former student of the department Prof RK Singh said, "As the director of the institute, Prof Mukerjee started the Diploma in Social Service in 1949."

In 1956, a composite department of sociology and social work was constituted by taking out sociology from the erstwhile department of economics and social work from the JK Institute of Sociology and Human Relations.

The composite department was again bifurcated in 1972 to create an independent social work department.

**ILLUSTRIOUS ALUMNI OF LU SOCIAL WORK DEPT**

**Academicians**
- **Prof Saiyid Zafar Hasan** | Dean, School of Social work, University of Kentucky, US
- **Prof SK Khinduka** | George Brown School of Social Work, Washington, US
- **Prof HY Siddiqui** | Faculty, Jamia Millia Islamia, former VC of Maulana Azad National Urdu University, Hyderabad
- **Prof Brij Mohan** | Emeritus Professor, LSU, School of Social Work, US

**Bureaucracy/govt sector**
- **Sanjai Kumar** | Joint commissioner, SGST, UP
- **Preeti Srivastava** | Secretary, State Social Welfare Board
- **Rajesh Pratap Singh** | Chief medical social service officer, SGPGI
- **Md Aftab Alam** | Manager HR & welfare officer, BHEL Jhansi
- **Anand Kumar Pandey** | Senior manager, Container Corporation of India

**Corporate sector/others:**
- **Mritunjay Singh** | HR head, Parle Biscuit Pvt Ltd
- **Deepak Singh** | General manager HR, Mother Dairy
- **Laxman Prasad (Vigyan Ratan)** | Chairman Dr APJ Abdul Kalam Education and Innovation Foundation Trust, Aligarh
- **Prabhakar Sinha** | WASH specialist, UNICEF Bihar

**Politics**
- **Pushkar Singh Dhami** | Chief minister of Uttarakhand

## Varsity offers unique courses

The social work department of Lucknow University holds a special place in the country as it runs unique courses like population education and rural development, criminology and criminal justice administration, yoga and naturopathy, community medicine and public health and a host of other diploma programmes.